

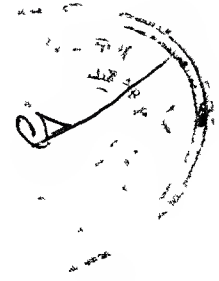


# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं 313] नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 13, 1993/भाद्र 22 1915  
No. 313] NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 13, 1993/BHADRA 22, 1915

विन मंत्रालय  
(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 13 सितम्बर, 1993

सं 170/93-सीमा-शुल्क

सा का नि 607 (अ) —केन्द्रीय सरकार सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, इन अधिसूचना के उपजय से विनिर्दिष्ट माल का (जिन्हे इसमें इसके पश्चात् माल कहा गया है), जो उनका विशाखापत्तनम निर्यात प्रसस्करण जोन (जिसे इसमें इसके पश्चात् जोन कहा गया है) के भीतर जिसमें पैरा 5 में विनिर्दिष्ट सर्वेक्षण मन्त्रालय वाले स्वाम सम्पादित ह आर जो उस पैरा में दी गई सीमाओं से घिरा है, यूनिटों द्वारा भारत के बाहर निर्यात के लिए माल का उत्पादन करने के लिए या भारत के बाहर निर्यात के लिए माल के उत्पादन

या पैकेजिंग के पार में उनका उपयोग करने के लिए या ऐसे निर्यात का पत्रवर्तन करने के लिए भारत में आयात किया जाए, सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 (1975 का 51) की पन्ती नवमिती के अधीन उन पर उदयद्वणीय सम्पूर्ण सीमाशुल्क और दूसरे उल्लिखित अधिनियम की धारा 3 के अधीन उन पर उदयद्वणीय प्रनिरिक्त शुल्क से यदि कोई हो, निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहने हुए छूट देनी है, अर्थात् —

- (1) आयातकर्ता का उस ज्ञान से विनिर्माण यूनिट या यनिटे स्थापित करने के लिए प्राधिकृत किया गया है
- (2) आयातकर्ता का मान का आयात करने के लिए आवश्यक पत्रवर्तन अनुदान का गर्ह है,
- (3) आयातकर्ता विकास गण्युक्त का यह समाधान कर देता है कि इस प्रकार आयातित मान का उपयोग भारत के बाहर निर्यात के लिए मान के उत्पादन या पैकेजिंग या मान के ऐसे निर्यात से सम्प्रवर्तन के सवध में किया जाएगा,

- (4) आयातकर्ता ऐसे प्ररूप से और ऐसी रकम के लिए, जो जोन के विकास आयुक्त द्वारा निर्दिष्ट की जाए, एक बंधपत्र निष्पार्शित करने के लिए करार करता है जिसमें वह निर्यात बाध्यताओं को पूरा करने और अन्य बातों के साथ-साथ इस अधिसूचना में और तत्समय प्रवृत्त भारत सरकार की निर्यात आयात नीति में अनुबद्ध शर्तों को पूरा करने के लिए स्वयं तो आबद्ध करता है,
- (5) आयातक करार करता है कि वह,—
- (क) मान को जोन में लाएगा और उनका उपयोग जोन के भीतर भारत के बाहर माल के निर्यात के लिए माल के उत्पादन या पैकेजिंग या माल के ऐसे निर्यात के संप्रवर्तन के सबंध में करेगा,
- (ख) इस प्रकार उत्पादित या पैकेज किए गए सभी माल का, अधारिणित, भारत के बाहर निर्यात करेगा या ऐसे माल का उपयोग करभागों को प्रशिक्षण देने के लिए करेगा या ऐसे माल या उक्त जोन के भीतर विपणन करने के लिए करेगा,
- (ग) ऐसे उत्पादन या पैकेजिंग से प्रोद्भूत सभी अवशेषों का विकास आयुक्त द्वारा अनुमोदित रीति में निर्यात या व्ययत करेगा,
- (6) आयातकर्ता मान के आयात, उपभाग और उपयोग का तथा उसके द्वारा किए गए निर्यात का समुचित लेखा रखेगा, और ऐसा लेखा समय-समय पर विकास आयुक्त को ऐसे प्ररूप में और ऐसी रीति में, जो उक्त अधिसूचना द्वारा अधिकृष्ट की जाए, प्रस्तुत करेगा,
- (7) आयातकर्ता मान की जाने पर, निम्नलिखित मान पर उद्योगीय शुल्क के बगल में रकम का भुगतान करेगा, अर्थात् —
- (क) ऐसे माल पर, जो ऐसे पत्र मान हैं जिन के बारे में सीमाशुल्क सहायक कलक्टर के समाधानप्रद रूप में यह साबित नहीं होता है कि वे माल,—
- (i) जोन के भीतर स्थापित किए गए या अन्यथा उपयोग में लाए गए हैं या उनके आयात की तारीख से एक वर्ष के भीतर या ऐसी बड़ाई गई अवधि के भीतर जिसे सीमाशुल्क सहायक कलक्टर अपना यह समाधान हो जाने पर कि उनका उपयोग जोन के भीतर न किए जाने या उनका उक्त अवधि के भीतर पुन निर्यात न किए जाने का पर्याप्त कारण है, अनुज्ञात करे, पुन निर्यात किए गए हैं;
- (ii) जोन के भीतर स्थापित या उपयोग के पश्चात् जोन के भीतर प्रविष्टारित किए गए हैं,
- (ख) पूजा माल से भिन्न ऐसे माल पर, जिनके बारे में सीमाशुल्क सहायक कलक्टर के समाधानप्रद रूप में यह साबित नहीं होता है कि वे माल,—
- (i) भारत के बाहर निर्यात के लिए (जोन के भीतर) मान के उत्पादन या पैकेजिंग या ऐसे मान के निर्यात के संप्रवर्तन के सबंध में उपयोग किए गए हैं या उनके आयात की तारीख से एक वर्ष के भीतर या ऐसी बड़ाई गई अवधि के भीतर, जिसे सीमाशुल्क सहायक कलक्टर अपना यह समाधान हो जाने पर कि उक्त अवधि के भीतर उनका उपयोग न किए जाने या उनका पुन निर्यात न किए जाने का पर्याप्त कारण है, अनुज्ञात करे, पुन निर्यात किए गए हैं,
- (ii) भारत के बाहर निर्यात करने के लिए माल के उत्पादन या पैकेजिंग या माल के निर्यात के संप्रवर्तन के सबंध में जोन के भीतर प्रविष्टारित किए गए हैं।
- (ग) हम प्रकार उत्पादित या पैकेज किए गए ऐसे माल पर, जिनका भारत के बाहर निर्यात नहीं किया गया है और ऐसे अधिसूक्त मान पर (जिनके अवर्गन ऐसे खानी ढांचे (कौन), किरकी और आधान, माद कोई हो, है जो बार-बार उपयोग के लिए उपयुक्त हैं) जिनका ऐसे माल के आयात की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर या ऐसी बड़ाई गई अवधि के भीतर जिसे सीमाशुल्क सहायक कलक्टर, अपना यह समाधान हो जाने पर कि उक्त अवधि के भीतर ऐसे माल का निर्यात न किए जाने के लिए पर्याप्त कारण है, अनुज्ञात करे निर्यात नहीं किया जाता है,
- (8) सीमाशुल्क कलक्टर, ऐसी शर्तों और परिस्थितियों के अधीन रहने हुए जो वह अधिकृष्ट करे, अधारित किन्हीं मान या उनसे उत्पादित या पैकेज किए गए माल को मरम्मत, प्रशस्करण या पदार्थ के लिए शुल्क का संशय किए बिना अन्यायी रूप से जोन के बाहर से जाने की

अनुज्ञा दे सकेगा और आयातकर्ता ऐसी शर्तों और परिसीमाओं का अनुपालन करने के लिए, ग्राह्य होंगे;

- (9) सीमा-शुल्क सहायक कलक्टर, ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जो वह विहित करे, विकास आयुक्त द्वारा आवश्यक अनुज्ञा देने और तत्समय प्रवृत्त भारत सरकार की निर्यात आयात नीति में विहित शर्तों का समाधान करने के अधीन रहते हुए, जोन में माल का (जिसके अन्तर्गत विनिर्मित माल भी हैं) जोन की एक यूनिट से किसी दूसरे जोन की किसी यूनिट में या शत-प्रतिशत निर्यातोन्मुख यूनिट में प्रवाय/अन्तरण करने के लिए अनुज्ञा दे सकेगा,
- (10) सीमा-शुल्क कलक्टर, ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए, जो वह विहित करे, विकास आयुक्त द्वारा आवश्यक अनुज्ञा दी जाने पर, किसी यूनिट को माल का पुनः निर्यात करने के लिए अनुज्ञा दे सकेगा;
- (11) सीमा-शुल्क कलक्टर के समाधान के अधीन रहते हुए, निम्नलिखित माल के संबंध में शुल्क उद्-ग्रहणीय नहीं होगा, अर्थात् :—
  - (क) ऐसे माल, जिनकी आयातकर्ता, उसके कर्म-चारी या अभिकर्ता के जानबूझकर किए गए किसी कार्य, उपेक्षा या व्यतिक्रम के कारण हानि नहीं हुई है या जो नष्ट नहीं हुए हैं;
  - (ख) ऐसे माल, जिनका आयातकर्ता, उसके कर्म-चारी या अभिकर्ता के जानबूझकर किए गए किसी कार्य, उपेक्षा या व्यतिक्रम के कारण नुकसान या क्षय नहीं हुआ है और इसलिए वे जोन के भीतर माल के उत्पादन या पैकेजिंग में प्रयोग के लिए उपयुक्त नहीं हैं;
  - (ग) ऐसे उत्पादन के अनुक्रम में निकलने वाला सक्रिय या अपशिष्ट सामग्री, यदि ऐसा स्क्रैप या अपशिष्ट सामग्री ऐसी सीमा तक है जो केन्द्रीय सरकार इस निमित्त विनि-दिष्ट करे और जिसे जोन के भीतर नष्ट किया जाए;
  - (घ) जोन में उत्पादित या पैकेज किए गए माल के नमूने, जिन्हें सीमाशुल्क सहायक कलक्टर, ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए, जो वह इस निमित्त विनिर्दिष्ट करे, परीक्षण के लिए जोन से बाहर भेजे जाने के लिए अनुज्ञा करे और जिनका ऐसे परीक्षण के दौरान उपयोग किया जाए

(ड.) जोन के भीतर अध्रयन या डिजाइन के लिए आयातित माल के ऐसे नमूने, जो विनिर्माण संक्रियाओं के अनुक्रम में टूट गए हैं और वाणिज्यिक मूल्य में नगण्य हो गए हैं;

(च) ऐसे माल, जिनका जोन के भीतर कर्मचारों को प्रशिक्षण देने के लिए प्रयोग किया जाए या ऐसे माल, जिनका जोन के भीतर किसी विनिर्माता द्वारा जोन के भीतर किसी अन्य विनिर्माता को ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए, और ऐसे बंधपत्र के निष्पादन पर विक्रय किया जाए, जो सीमा-शुल्क सहायक कलक्टर यह सुनिश्चित करने के लिए विनिर्दिष्ट करे कि इस प्रकार विक्रय किए गए माल को भारत से बाहर निर्यात के लिए माल के उत्पादन या पैकेजिंग या माल के ऐसे निर्यात के संप्रवर्तन के संबंध में उपयोग में लाया जाएगा;

(छ) जोन के भीतर विनिर्मित माल और जिन्हें भरण, प्रसंस्करण या प्रदर्शन के लिए अस्थायी रूप से जोन के बाहर ले जाने के लिए अनुज्ञात किया जाता है;

(ज) सिनेसिलाए वस्त्रों के विनिर्माण के दौरान, निकलने वाले चिथड़े, कतरनें और दर्जी द्वारा कटे हुए टुकड़े, उनका जब जोन से निकासी किया जाए, परन्तु यह तब जबकि चिथड़ों, कतरनों, और दर्जी द्वारा कटे हुए टुकड़ों के रूप में ऐसी अपशिष्ट सामग्री की प्रतिशतता इस संबंध में विशाखापतनम नियति प्रसंस्करण जोन बोर्ड द्वारा नियत प्रतिशतता से अधिक न हो;

(झ) जोन में ऐसे माल (जिनके अंतर्गत विनिर्मित माल भी है) जिन्हें जोन की एक यूनिट से जोन की किसी दूसरे यूनिट या किसी शत प्रतिशत निर्यातोन्मुख यूनिट में प्रवाय/अन्तरण के लिए अनुज्ञात किया जाए;

(ञ) ऐसे माल, जिनका जोन में किसी यूनिट से पुनः निर्यात करने के लिए अनुज्ञात किया जाता है।

2. निम्नलिखित माल को बाबत निर्यात के रूप में पैरा 1 की शर्त (6) के अधीन हिसाब देने की अपेक्षा नहीं की जाएगी, अर्थात् :—

(क) (i) ऐसे माल, जिनका आयातकर्ता, उसके कर्म-चारी या अभिकर्ता के जानबूझकर किए गए किसी

कार्य, उभेक्षा या व्यतिक्रम से नुकसान या क्षय नहीं हुआ है और इसलिए जो जोन के भीतर माल के उत्पादन में प्रयोग के लिए उपयुक्त नहीं है, यदि ऐसा मान जोन के भीतर नष्ट किया जाता है या जिसको ऐसे शुल्क के बराबर शुल्क का संदाय करने पर जो माल पर उद्गृहीत होता यदि माल ठीक दशा में आयातित किया होता, भारत के किसी अन्य भाग में प्रयोग के लिए जोन में निकासी की जाती है, या

- (ii) जोन के भीतर माल के उत्पादन के अनुक्रम में निकलने वाला स्क्रैप या अपशिष्ट पदार्थ यदि वह जोन के भीतर नष्ट किया जाता है या जिसकी ऐसे शुल्क के बराबर शुल्क का संदाय करने पर, जो माल पर उद्गृहीत होता यदि वह उम रूप में आयातित किया गया होता, भारत के किसी अन्य भाग में प्रयोग के लिए जोन के निकासी की जाती है :

परन्तु यह कि यदि उक्त माल के उत्पादन या पैकेजिंग के अनुक्रम में निकलने वा स्क्रैप या अपशिष्ट पदार्थ की प्रतिशतता विशाखापत्तनम निर्यात प्रसंस्करण जोन बोर्ड द्वारा इस निमित्त नियत की गई प्रतिशतता से अधिक है, तो मूल सामग्री पर, जिसमें से उक्त स्क्रैप या अपशिष्ट पदार्थ निकला है, उद्गृहणीय शुल्क के बराबर शुल्क ऐसी अधिक मात्रा पर प्रभारित किया जाएगा,

- (ख) बार-बार उपयोग किए जाने योग्य खाली कोन, फिरकियां या आधान, जिनकी ऐसे माल का भारत में आयात करते समय उस पर उद्गृहणीय शुल्क के बराबर शुल्क का संदाय करने पर भारत के किसी अन्य भाग में उसका उपयोग करने के लिए जोन में निकासी की जाती है,
- (ग) जोन के भीतर माल के उत्पादन के अनुक्रम में निकलने वाली चिंदिया, कागज की कतरनें और अपशिष्ट पैकेजिंग सामग्री, जब उस जोन के सीमा-शुल्क सहायक कलक्टर द्वारा इस निमित्त विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार किसी सीमा-शुल्क अधिकारी के पर्यवेक्षण में नष्ट किया जाता है,
- (घ) तैयार वस्त्रों के विनिर्माण के अनुक्रम में प्रोद्भूत चिथड़े, कतरने और टेलर कटिंग, जब जोन निकासी की जाती है।

3. इस अधिसूचना में किन्हीं अन्य उपबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, जहां सीमा-शुल्क कलक्टर के समाधानप्रद रूप में यह दर्शाया जाता है कि,—

- (क) विशाखापत्तनम निर्यात प्रसंस्करण जोन बोर्ड द्वारा तत्समय प्रवृत्त भारत सरकार की आयात-निर्यात नीति के अनुसार, जोन के किसी यूनिट को जोन से हट जाने की अनुज्ञा दी गई है या जोन के बाहर भारत में किसी अन्य स्थान में किसी पूजा माल का व्ययन करने की अनुज्ञा दी गई है, और

- (ख) इस प्रकार अनुज्ञात संबंधित पूजा माल का उपयोग तीन वर्ष में अन्यून अवधि के भीतर किया गया है,

तो सीमा-शुल्क कलक्टर ऐसे पूजा माल को जोन के बाहर भारत में किसी अन्य स्थान को ले जाने की अनुज्ञा, ऐसे पूजा माल की निकासी के समय उसके अवक्षयित मूल्य पर, तथा उनके आयात के समय प्रवृत्त दरों पर, ऐसे पूजा माल पर उद्गृहणीय शुल्क के बराबर रकम का संदाय करने पर, दे सकेगा।

4 इस अधिसूचना में किसी बात के होते हुए भी,—

- (क) इसमें दी गई छूट उस माल पर भी लागू होगी जिसका भारत में आयात किये जाने पर पर जोन के भीतर उत्पादित या विनिर्मित उत्पाद-शुल्क शुल्क्य माल के उत्पादन या विनिर्माण या पैकेजिंग के संबंध में उपयोग किया जाता है और ऐसा उत्पादन शुल्क्य माल, भले ही उसका भारत से बाहर निर्यात नहीं किया जाता, किन्तु जिसे भारत में किसी अन्य स्थान को, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के अधीन ऐसे उत्पादन-शुल्क्य माल पर उद्गृहणीय उत्पाद शुल्क का संदाय करने पर तत्समय प्रवृत्त भारत सरकार की निर्यात और आयात नीति के अनुसार तथा ऐसी मात्रा और अन्य परिसीमाओं और शर्तों के अधीन रहते हुए जो जोन के विकास आयुक्त द्वारा इस निमित्त विनिर्दिष्ट की जाये, ले जाया जाता है,

- (ख) सीमा-शुल्क सहायक कलक्टर जोन के भीतर उत्पादित या विनिर्मित या पैक किये गये किसी उत्पादन-शुल्क्य माल को, ऐसी शर्तों और निबंधनों के अधीन रहते हुए जो इस निमित्त विकास आयुक्त द्वारा विनिर्दिष्ट की जाये, केन्द्रीय उत्पादन-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के अधीन ऐसे उत्पाद शुल्क्य माल पर



उद्ग्रहणीय उत्पादन-शुल्क का संदाय करने पर नमूने के रूप में प्रदर्शित करने के प्रयोजनों के लिये जोन से बाहर भारत में किसी अन्य किसी स्थान को ले जाये जाने के लिये अनुज्ञान कर सकेगा :

परन्तु, नमूनों के रूप में प्रदर्शित करने के प्रयोजनों के लिये जोन से बाहर भारत में किसी अन्य स्थान को ले जाये जाने के लिये इस प्रकार अनुज्ञात उत्पादन-शुल्क्य माल की मात्रा और जोन में किसी किसी यूनिट की बाबत तत्समय प्रवृत्त भारत सरकार की आयात और निर्यात नीति के अधीन और उसके अनुसार विक्रय के प्रयोजन के लिये जोन से बाहर भारत में किसी अन्य स्थान को ले जाये जाने के लिये अनुज्ञात उत्पाद शुल्क्य माल की मात्रा, किसी वित्तीय वर्ष में उक्त आयात और निर्यात नीति में ऐसे विक्रय के प्रयोजनों के लिये विनिर्दिष्ट सीमा से अधिक नहीं होगी,

(ग) ऐसी यूनिटों की दशा में, जो कम्प्यूटर प्रक्रिया सामग्री के विकास में लगी है, इसमें अन्तर्विष्ट छूट ऐसे माल को भी लागू होगी जिसका ऐसे यूनिट द्वारा निर्यात के लिये प्रक्रिया सामग्री के विकास के लिये और विदेश में 'स्थल पर' प्रक्रिया सामग्री के विकास के लिये परामर्शी सेवायें उपलब्ध कराने के लिये आयात किया जाता है :

परन्तु यह तब जब कि—

- (i) ऐसे प्रक्रिया-सामग्री विकास यूनिट द्वारा इस अधिसूचना में अनुबंधित शर्तों का पालन किया जाता है, और
- (ii) सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट प्रक्रिया का अनुसरण किया जाता है।

स्पष्टीकरण—किसी प्रक्रिया सामग्री विकास यूनिट द्वारा विदेश में 'स्थल पर' प्रक्रिया-सामग्री के विकास के संबंध में परामर्शी सेवाओं के लिये संपरिवर्तनीय विदेशी करेंसी में प्राप्त परामर्शी फीस, इस अधिसूचना के अधीन निर्यात बाध्यता की पूर्ति करने के प्रयोजनों के लिये निर्यात समझी जायेगी।

5. इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिये, जोन में वे स्थान समाविष्ट होंगे जिनके सर्वेक्षण संख्यांक नीचे विनिर्दिष्ट किये गये हैं और जो नीचे विनिर्दिष्ट सीमाओं से घिरे हुए हैं :—

खसरा/सर्वेक्षण संख्यांक :

ग्राम दुब्बदा : 138 भाग, 139 भाग। ग्राम कुरमन्नाफ्लेम : 1, 2, 3, 4, गाजुवका मंडल का ग्राम जंगराजुपेटा 2 भाग, 3, 124, 34 भाग, 35, 36, 37 और 38 भाग।

आंध्र प्रदेश का विशाखापत्तनम जिला, जो विशाखापत्तनम पत्तन से 24 किलोमीटर और विशाखापत्तनम विमान पत्तन से 15 किलोमीटर की दूरी पर है, जो  $3.0 \times 3.20$  मीटर ऊंची सीमा दीवाल से घिरा हुआ है जिस पर 1.20 मीटर भुजा लंबाई की वार्ड-कोण कांटेदार तार लगी है।

उत्तरी दिशा : आरक्षित वन और पोरिमबोक पहाड़ी

उत्तर-पूर्व : विशाखापत्तनम निर्यात प्रसंस्करण जोन की फेज 2 की बकाया भूमि

दक्षिण और जंगराजुपेटा निजी शुल्क भूमि

दक्षिण पूर्व :

दक्षिण दिशा : हावड़ा-मद्रास दोहरी लेन रेल पथ

दक्षिण पश्चिम : विशाखापत्तनम निर्यात प्रसंस्करण जोन की ओर पश्चिम : फेज 1 की प्रशासनिक भवन और आवास के लिये प्रस्तावित बकाया भूमि

उत्तर पश्चिम : विशाखापत्तनम निर्यात प्रसंस्करण जोन की फेज 1 की आवासीय क्वार्टरों के लिये प्रस्तावित बकाया भूमि

#### उपाबंध

क्रम सं. माल का वर्णन

(1) (2)

1. मशीनरी
2. कच्ची सामग्री
3. संघटक
4. मशीनरी के अतिरिक्त पुर्जें
5. खपने वाली सामग्री
6. पैकेजिंग सामग्री।
7. कार्यालय उपस्कर, अतिरिक्त पुर्जें और उसकी खपने वाली सामग्री।
8. विदेशी क्रेता के परिदान लेने में असफल रहने के कारण जोन से निर्यात की तारीख से एक वर्ष के भीतर पुनः आयातित माल।
9. औजार, जिग, गेज, फिक्सचर, मांचे, डाई, उपकरण और उपसाधन।
10. विकास और विविधता के लिये आदिग्रहण, तकनीकी और व्यापार नमूने।
11. रेखाचित्र, ब्लूप्रिंट और चार्ट
12. निर्यात की तारीख से तीन वर्ष के भीतर मरम्मत या पुनरनुकूलन के लिये प्राप्त माल की मरम्मत या पुनरनुकूलन के पश्चात् निर्यात करने

(1)

(2)

के निचे माल

13. सागरी वी उठाई-वार्दी के लिये उम्स्कर, अर्थात् दुशाखा (फोर्क) लिफ्ट, ओवरहेड क्रेन, गतिशील क्रेन, ट्रिग (क्लर) क्रेन, उत्तोलक और स्टैकर ।

[फा.स. 305/130/92-एफ.डी.टी.]

तिलक राज कपूर, अवर सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 13th September, 1993

## NO. 170/93-CUSTOMS

G.S.R. 607(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts good specified in the Annexure to this notification (hereinafter referred to as the goods), when imported into India for the production of goods for exports out of India or for being used in connection with the production or packaging of goods for exports out of India or for promotion of such exports by units within the the Visakhapatnam Export Processing Zone (hereinafter referred to as the Zone) comprising of places bearing the survey numbers and enclosed by the boundaries specified in paragraph 5 from the whole of the duty of customs leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), and the additional duty, if any, leviable thereon, under section 3 of the second mentioned Act, subject to the following conditions namely:—

- (1) the importer has been authorised to establish the manufacturing unit or units in the Zone;
- (2) the importer has been granted necessary licence for the import of goods;
- (3) the importer satisfies the Development Commissioner that the goods so imported will be used in connection with the production or packaging of goods for export out of India or with the promotion of such exports of goods;
- (4) the importer agrees to execute a bond in such form and for such sum as has been prescribed by the Development Commissioner of the Zone binding himself to fulfil the export obligations, and to fulfil, inter-alia the conditions stipulated in this notification and in the Export Import Policy of the Government of India for the time being in force;

(5) the importer agrees :—

- (a) to bring the goods into the Zone and use them within the Zone in connection with the production or packaging of goods for Export out of India or with the promotion of such exports of goods;
- (b) to export out of India, all goods so produced or packaged or to use such goods for imparting training to workers or to sell such goods within the said Zone, as the case may be :—
- (c) to export or dispose of in the manner approved by the Development Commissioner all remnants arising out of such production or packaging;

(6) the importer shall maintain a proper account of import, consumption and utilisation of goods and of exports made by him, and shall submit such account periodically to the Development Commissioner, in such form and in such manner as may be laid down by the said Commissioner ;

(7) The importer shall pay, on demand, an amount equal to the duty leviable.

(a) On goods which are capital goods as are not proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs to have been —

- (i) installed or otherwise used within the Zone or re-exported within a period of one year from the date of importation thereof or within such extended period as the Assistant Collector of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them within the Zone or for not re-exporting them within the said period, allow;
- (ii) retained within the Zone after installation or use inside the Zone;

(b) On goods other than capital goods as are not proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs to have been —

- (i) used in connection with the production or packaging of goods (within the Zone) for export out of India or with the promotion of export of such goods or re-exported within a period of one year from the date of importation thereof or within such extended period as the Assistant Collector of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them or for not re-exporting them within the said period, allow;
- (ii) retained within the zone in connection with the production or packaging of goods for export out of India or with the promotion of export of goods;

(c) On goods so produced or packaged as have not been exported out of India and on unused goods (including empty cones, bobbins or containers, if

any, suitable for repeated use) as have not been exported, within a period of one year from the date of importation of such goods or within such extended period as the Assistant Collector of Customs may on being satisfied that there is sufficient cause for not exporting such goods within the said period, allow;

(8) The Collector of Customs, may, subject to such conditions and limitations as may be imposed by him permit any goods imported or goods produced or packaged therefrom to be taken outside the Zone temporarily without payment of duty for repairs, processing or display and the importers shall be bound to comply with such conditions and limitations;

(9) The Assistant Collector of Customs may, subject to such conditions as may be prescribed by him, allow goods (including goods manufactured) in the Zone to be supplied/transferred from a unit in the Zone to a unit in another Zone or to a 100 per cent Export Oriented Unit subject to necessary permission granted by the Development Commissioner and satisfaction of conditions prescribed in the Export Import Policy of the Government of India for the time being in force;

(10) The Collector of Customs may, subject to such conditions as may be prescribed by him, allow a unit to re-export the goods, on the necessary permission being granted by the Development Commissioner;

(11) Subject to the satisfaction of the Collector of Customs, duty shall not be leviable in respect of the following goods, namely :—

- (a) goods lost or destroyed not due to any wilful act, negligence or default of the importer, his employee or agent;
- (b) goods damaged or deteriorated not due to any wilful act, negligence or default of the importer, his employee or agent and therefore, not suitable for use in the production of goods or packaging within the Zone;
- (c) scrap or waste material arising in the course of such production, if such scrap or waste material is within such limits as may be specified in this behalf by the Central Government, and destroyed within the Zone;
- (d) samples of goods produced or packed in the Zone which are allowed by the Assistant Collector of Customs to be sent for test outside the Zone subject to such conditions as he may specify in this behalf and which are consumed in the course of such test;
- (e) samples of goods imported for study or design within the Zone, which, in the course of manufacturing operations have been broken up and rendered insignificant in commercial value;
- (f) goods used for imparting training to workers within the Zone or goods sold by a manufacturer within the Zone to another manufacturer inside the Zone subject to such

conditions, and the execution of such bonds, as may be specified by the Assistant Collector of Customs for ensuring that the goods so sold will be used in connection with the production or packaging of goods for export out of India or with the promotion of such export of goods;

- (g) goods manufactured in the Zone and which are allowed to be taken outside the Zone temporarily for repairs, processing or display;
- (h) rags, trimmings and tailor cuttings arising in the course of manufacture of readymade garments, when cleared from the Zone, provided that the percentage of such waste material in the form of rags, trimmings and tailor cuttings does not exceed the percentage fixed in this regard by the Vishakapatnam Export Processing Zone Board;
- (i) goods (including goods manufactured) in the Zone and which are allowed to be supplied/transferred from a unit in the Zone to a unit in another Zone or to a 100 per cent Export Oriented Unit;
- (j) goods which are allowed to be re-exported from a unit in the Zone.

2. The following goods will be required to be accounted for under condition (6) of paragraph 1 by way of export, namely :—

- (a) (i) goods damaged or deteriorated not due to any wilful act, negligence, or default of the importer, his employee or agent and therefore not suitable for use in the production of goods within the Zone, if destroyed within the Zone or if cleared from the Zone for use in any other part of India on payment of duty equal to that leviable on the goods if imported in sound condition; or (ii) scrap or waste material arising in the course of production of goods within the Zone, if destroyed within the Zone or if cleared from the Zone for use in any other part of India for payment of the duty equal to that leviable on goods if imported in that form ;

Provided that if the percentage of scrap or waste material arising in the course of production or packaging of the said goods exceeds the percentage fixed in this regard by the Vishakapatnam Export Processing Zone Board, the duty equal to that leviable on the mother material, out of which the said scrap or waste material has arisen, shall be charged on the excess quantity;

- (b) empty cones, bobbins or containers, suitable for repeated use, and cleared from the Zone for use in any other part of India on payment of the duty equal to that leviable on such goods at the time of their importation into India.
- (c) chindies, paper cuttings, and the waste packing material arising in the course of production of goods within the Zone, when destroyed under the supervision of an officer



of customs in accordance with the procedure specified in this behalf by the Assistant Collector of Customs of the Zone.

- (d) rags, trimmings and tailor cuttings arising in the course of manufacture of readymade garments, when cleared from the Zone.

3. Without prejudice to any other provisions contained in this notification where it is shown to the satisfaction of the Collector of Customs —

- (a) that any unit in the Zone has been allowed to withdraw from the Zone, or has been permitted to dispose of any capital goods outside the Zone in any other place in India, in accordance with the Import-Export Policy of the Government of India for the time being in force, by the Vishakapatnam Export Processing Zone Board; and
- (b) that the concerned capital goods so permitted have been used within the Zone for a period of not less than three years,

the Collector of Customs may allow such capital goods to be taken outside the Zone to any other place in India on payment of an amount equal to the duty leviable on such capital goods on the depreciated value thereof at the time of clearance and at the rates in force at the time of their import.

4. Notwithstanding anything contained in this notification:—

- (a) the exemption contained herein shall also apply to those goods which on importation into India are used in connection with the production or manufacture or packaging of excisable goods produced or manufactured within the Zone and such excisable goods, even if not exported out of India, but brought to any other place in India under, and in accordance with, the Export and Import Policy of the Government of India for the time being in force and subject to the quantity and such other limitations and conditions as may be specified in this behalf by the Development Commissioner of the Zone, on payment of duty of excise leviable on such excisable goods under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944);
- (b) the Assistant Collector of Customs may allow any excisable goods produced or manufactured or packaged within the Zone, to be taken outside the Zone to any other place in India for the purposes of display as samples subject to such conditions and restrictions as may be specified by the Development Commissioner in this behalf, on payment of the duty of excise leviable on such excisable goods under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944).

Provided that the quantity of the excisable goods, so allowed to be taken outside the Zone to any other place in India for the purposes of display as samples

together with the quantity of excisable goods allowed to be taken outside the Zone to any other place in India for the purpose of sale under, and in accordance with, the Import and Export Policy of the Government of India for the time being in force, in respect of any unit in the Zone shall not, in any financial year, exceed the limit specified in the said Import and Export Policy for the purposes of such sale;

- (c) in the case of units engaged in the development of computer software, the exemption contained herein shall also apply to goods imported by such unit for the development of software for export and for providing consultancy services for development of software 'on site' abroad, provided that
- (i) the conditions stipulated in this notification are complied with by such software development unit; and
- (ii) the procedure specified by the Collector of Customs is followed.

Explanation—The consultancy fees received by a software development unit in convertible foreign currencies for consultancy services for development of software 'on site' abroad shall be deemed to be export for the purposes of fulfilment of export obligation under this notification.

5. For the purposes of this notification, the Zone shall comprise the places bearing the survey numbers and enclosed by the boundaries specified below :

Khasra/Survey numbers:

• Duvvada Village: 138 Part: 139 Part. Kurmannapalem Village : 1, 2, 3, 4. Jaggarajupeta Village of Gajuwaka Mandal : 2 Part, 3, 124, 34 Part. 35, 36, 37 and 38 Part.

Vishakapatnam District of Andhra Pradesh lying at a distance of 24 Kms from the Port of Vishakapatnam and 15 kms from the Vishakapatnam Airport enclosed by 3.0 to 3.20 metres high boundary wall with 1.20 metre arm length Y-angle barbed wire

Northern side : Reserve Forest and Hill Porimboke  
North East : Phase II balance lands of Vishakapatnam Export Processing Zone.

South & south : Jaggarajupeta private dry lands  
East

Southern side: Howrah-Madras double lane Railway  
Track

South west & West : Phase I balance Vishakapatnam Export Processing Zone lands proposed Administrative building and housing.

North West : Phase I balance Vishakapatnam Export Processing Zone lands proposed for residential quarters.



## THE ANNEXURE

Sl. No.	Description of Goods	1	2
(1)	(2)	9. Tools, Jigs, gauges, fixtures, moulds, dies, instruments and accessories.	
1.	Machinery.	10. Prototypes, technical and trade samples for development and diversification.	
2.	Raw Materials.	11. Drawings, blue prints and charts.	
3.	Components.	12. Goods received for repairs or re-conditioning within three years of the date of exportation, for export after repairs or re-conditioning.	
4.	Spare parts of machinery	13. Material handling equipments, namely fork-lifts, over-head cranes, mobile cranes, crawler cranes hoists and stackers.	
5.	Consumables.		
6.	Packaging materials.		
7.	Office equipments, spares and consumables thereof.		
8.	Goods re-imported within one year from the date of exportation from the Zone due to the failure of the foreign buyer to take delivery.		

[F.No. 305/130/92-FTT]  
T.R. KAPUR, Under Secy.]

